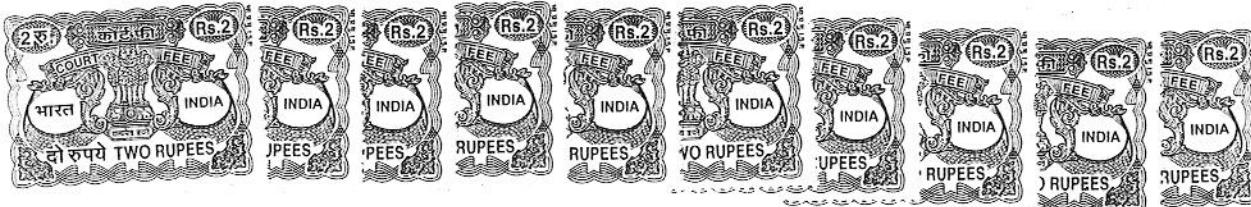


न्यायालय श्रीमान् राजस्व गण्डल जवालियर ₹ ५०५०



१. नारायण सिंह तनय लल्लू रिंह उम ३५ वर्ष, AJ/85-II-16

२. श्रेम नारायण सिंह तनय लल्लू रिंह उम ३३ वर्ष,

३. मिठाई लाल रिंह तनय लल्लू रिंह उम २९ वर्ष

सभी निवासी ग्राम कैथेया डण्डो थाना बण्ड तहसील मऊ जिला घिक्रूट

₹ ५०५०

---आवेदक/निवासीकर्ता नाम

बनाम

बच्ची लाल पुत्र परमेश्वरदीन गठरिया उम ६५ वर्ष पेशा खेती निवासी ग्राम

पोस्ट घूम थाना डभौरा तहसील जवा जिला रीवा ₹ ५०५०

---आवेदक/गैरनिगरानीकर्ता

(Signature)
निगरानी विस्तृ अन्तरिम आदेश न्यायालय अपर

आयुक्त रीवा सम्भाग रीवा के प्रकरण क्रमांक 334/

अपील/15-16 अन्तरिम आदेश दिनांक 28-12-15

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०५० रुपूर राजस्व

रिहिता सन् 1959 ई०।

मान्यवर,

निगरानी का संविप्ति विवरण निम्न है :-

यह कि आराजी खसरा क्रमांक 406, 407, 408, 409, 492/1,

520/1 कूल किता 6 छुमला रकवा 279.33 सज्ज स्थित ग्राम अकौशिया

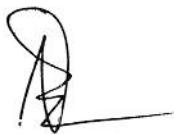
(Signature)

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक R -85-II/2016

जिला रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश नारायण सिंह / बच्चीलाल	पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर
14-01-2016	<p>यह निगरानी अपर आयुक्त रीवा के न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 334/अपील/15-16 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 28.12.15 के विरुद्ध प्रस्तुत की गयी है।</p> <p>प्रकरण में आवेदक अधिवक्ता श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह के तर्क श्रवण किए गये तथा निगरानी मेमो में अंकित तथ्यों का अवलोकन किया गया एवं आक्षेपित आदेश दिनांक 28.12.15 का परिशीलन किया गया। निगरानी मेमो के संलग्न प्रश्नाधीन आदेश की प्रमाणित प्रति का अवलोकन करने पर पाया गया है कि अपर आयुक्त द्वारा अभी द्वितीय अपील में कोई ऐसा आदेश पारित नहीं किया गया है जिससे किसी भी पक्ष के हित वर्तमान में अनुचित रूप से प्रभावित हुए हों क्योंकि अपर आयुक्त द्वारा अभी अपील को सुनवाई हेतु ग्राह्य किया जाकर अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का तलब किए जाने के आदेश देते हुए आवेदक की ओर से प्रस्तुत स्थगन आवेदन पत्र पर विचार करते हुए अगली पेशी दिनांक 26.1.16 तक यथा स्थिति बनाए रखने एवं उभय पक्ष को एक दूसरे के कब्जे में हस्तक्षेप न करने के आदेश दिए गये हैं।</p> <p>विचारोपरांत मैं यह पाता हूं कि उभयपक्ष को अपना—अपना पक्ष समर्थन करने का अपर आयुक्त के समक्ष पर्याप्त अवसर उपलब्ध है इसके अतिरिक्त प्रकरण में अभी गुणदोष पर कोई आदेश पारित नहीं किया गया है जिससे किसी भी पक्ष के हितों पर अपर आयुक्त के आक्षेपित आदेश से कोई विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है। अतः अपर आयुक्त का आदेश यथावत रखते हुए उन्हें यह निर्देश दिए जाते हैं कि वे प्रकरण में शीघ्र सुनवाई पूर्ण करते हुए संहिता में निहित प्रावधानों के अनुसरण में उभयपक्ष द्वारा उठाए गये बिन्दुओं के संबंध में स्पष्ट बोलता हुआ एवं विस्तृत आदेश पारित करें साथ ही उभयपक्ष को भी आदेशित किया जाता है कि अपना—अपना पक्ष अपर आयुक्त के समक्ष रखते हुए न्यायिक प्रक्रिया में अपर आयुक्त न्यायालय का सहयोग करें। उपरोक्त निर्देशों के साथ यह निगरानी प्रकरण इसी रूपरेखा पर समाप्त किया जाता है। पक्षकार सूचित हों।</p> <p>प्रकरण दा.रि.हो।</p>  <p>(आशीष श्रीवास्तव) सदस्य</p> 	